International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 3, March - 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

आधुनिक युग के पुस्तकालयों में सोशल मीडिया का बढ़ता योगदान

सीमा रानी
लाइब्रेरियन
हिन्दू गर्ल्ज कॉलेज, सोनीपत

सारांश

आज का युग सूचना एवं प्रौद्योगिकी का युग है। ऐसा कोई भी क्षेत्र नहीं है जो इससे प्रभावित ना हुआ हो। पुस्तकालय भी इनमें से एक है। आज पुस्तकालय का स्वरूप परम्परागत से डिजिटल हो गया है और इस युग में पुस्तकालय उपयोगकर्त्ता शीघ्र से शीघ्र अपनी सूचना की प्राप्ति की आशा रखता है। अपने उपयोगकत्ताओं की आशा की पूर्ति के लिए पुस्तकालय अनेक माध्यमों का उपयोग कर रहा है। जिनमें से सोशल मीडिया भी एक है। सोशल मीडिया के द्वारा पुस्तकालय व उपयोगकर्त्ता एक दूसरे से जुड़े रहते है व अपने विचार, ऑडियो, विडियो, फोटो और अन्य दस्तावेज शेयर कर सकते है। यह पुस्तकालय पेशवरों और उपयोगकत्ताओं के ज्ञान और कौशल का आदान–प्रदान करने का एक प्रभावी माध्यम बन गया है। सोशल मीडिया के अनेक टूल्स है जैसे Facebook, YouTube, Whatsapp, Blog, Twitter इत्यादि। यह लेख मुख्य रूप से पुस्तकालयों में सोशल मीडिया के द्वारा उपयोगकत्ताओं तक सूचना के प्रसार पर जोर डालता है।

मुख्य शब्द : सोशल मीडिया, सोशल मीडिया नेटवर्क, पुस्तकालय सेवाएँ

प्रस्तावना

सूचना संचार प्रौद्योगिकी के युग में सूचना का बहुत अधिक मात्रा में प्रतिदिन विस्फोट हो रहा है। डिजिटिल क्रान्ति के इस युग में उपयोगकर्त्ता भी शीघ्र से शीघ्र अपनी नवीनतम सूचना की प्राप्ति चाहता है। ऐसे में यह पुस्तकालय के लिए एक चुनौतीपूर्ण कार्य बन गया है। इस चुनौती का सामना करने के लिए व समाज में एक विशेष स्थान बनाए रखने के लिए पुस्तकालयों ने संचार के अनेक माध्यमों का प्रयोग करना शुरू कर दिया है जिसमें सोशल मीडिया भी एक है, जो बाकी सारे मीडिया (प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और समानांतर मीडिया) से अलग है। सोशल मीडिया इटंरनेट के माध्यम से एक वर्चुअल वर्ल्ड बनाता है जिसे उपयोग करने वाला व्यक्ति सोशल मीडिया के किसी मंच (फेसबुक, ट्विटर, इस्टाग्राम) आदि का उपयोग कर पहुंच बना सकता है। सोशल मीडिया के अनेक टूल्स है जैसे Facebook, You-tube, Whatsapp, Blog, Twitter, Linkdin, Instagram, Pinterest, Flickr इत्यादि। इन टूल्स के द्वारा व्यक्ति आपस में अपने विचार, फोटो, ओडियो, वीडियों, दस्तावेज आदि साझा कर सकते है। सोशल मीडिया ने व्यक्तियों की दिनचर्या में एक विशेष स्थान बना लिया है। साथ ही

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 3, March - 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

व्यक्तियों के जीवन का एक महत्त्वपूर्ण भाग बन गया है। अधिकांश लोग सोशल मीडिया से जुड़ने के लिए ही वेब की दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं।

सोशल मीडिया पुस्तकालयों के लिए एक शक्तिशाली व प्रभावशाली मंच है जिसके द्वारा पुस्तकालय अपने उपयोगकत्ताओं से सम्बन्ध स्थापित करते है उनको पुस्तकालय संसाधनों से अवगत कराते है पुस्तकालय की सेवाओं व संसाधनों का विपणन करते है तथा उपयोगकत्ताओं द्वारा की गई प्रतिक्रिया का विश्लेषण करके अपने पुस्तकालय का विकास करते है।

आधुनिक युग में पुस्तकालय में सोशल मीडिया का उपयोग

ब्रिटेन में 2010 में सोसाइटी ऑफ चीफ लाइब्रेरियन के द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण में पाया गया कि आनलाइन उपयोगकर्त्ता, सूचना के अधिकांश प्रदाताओं की तुलना में लाइब्रेरी स्टॉफ पर ज्यादा भरोसा करते है।

आधुनिक युग में उपयोगकत्ताओं का पुस्तकालय के प्रति रवैया बदल रहा है। वे त्वरित गति से व विभिन्न माध्यमों द्वारा अपनी सूचना को खोजना व प्राप्त करना चाहते है। पुस्तकालय भी ऐसी तकनीक चाहते है जो उपयोग में आसान हो तथा ज्यादा से ज्यादा उपयोगकत्ताओं तक पहुँच बना सके। अनेक पुस्तकालयों ने अपने उपयोगकत्ताओं तक पहुँचने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करना आरम्भ कर दिया है। इसके द्वारा पुस्तकालय अपने उपयोगकत्ताओं को पुस्तकालय की नवीनतम जानकारी और विभिन्न ट्रेडिंग समाचार से अपडेट रख सकता है। इसके अतिरिक्त पुस्तकालय में सोशल मीडिया के उपयोग के अन्य कारण भी है –

1. कम कीमत

दुनियाभर में आजकल सोशल मीडिया का बोलबाला है। इंटरनेट डेटा के सस्ता हो जाने के कारण लगातार सोशल मीडिया के द्वारा ज्ञान को एक्सेस करने वालों की संख्या बढ़ रही है। सोशल मीडिया का उपयोग करने वाले लोग मुफ्त में सोशल मीडिया पर सन्देश, ओडियो, वीडियो और दस्तावेज आदि शेयर कर सकते है। इसके ज्यादा उपयोग होने के कारण पुस्तकालय के लिए अधिक संख्या में अपने उपयोगकत्ताओं तक पहुँचना आसान हो गया है।

2. उपयोग में आसान

सोशल मीडिया का उपयोग करना बहुत ही आसान है। यह शिक्षित व अशिक्षित सभी वर्गों के लिए है। एक बार इस मंच पर अपना खाता खोलकर हम इसे उपयोग कर सकते हैं। खास बात यह है हम इसे व्यकितगत व व्यवसायिक दोनों तरह से उपयोग कर सकते हें। यह यूजर फ्रेडली है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 3, March - 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

3. उपयोगकत्ताओं की रूचि

आजकल सोशल मीडिया उपयोगकत्ताओं के बीच काफी लोकप्रिय हो गया है। वे अपना जरूरी काम छोड़कर घंटो–2 सोशल मीडिया पर सक्रिय रहते है। वे आनलाइन काम करना पसन्द करते है उन्हें पुस्तकालय जाना पसन्द नहीं। पुस्तकालय, सोशल मीडिया के माध्यम से ज्ञानवर्धक वेबसाइट्स जैसे वेबिनार लिक्स पर टयूटारियल वीडियोज और अन्य रोचक विषयों पर अत्यधिक विषय सामग्री अपने उपयोगकत्ताओं के साथ साझा कर सकते हैं। उपयोगकत्ताओं को भी पुस्तकालय के साथ सहभागिता करने का मौका मिलता है।

4. दो–तरफा संचार

सोशल मीडिया के द्वारा पुस्तकालय व उपयोगकर्त्ता दोनों के बीच एक आपसी तालमेल बना रहता है। वे दोनों एक दूसरे से संचार कर सकते है। यदि किसी सूचना सामग्री की प्राप्ति में कोई कठिनाई आ रही है तो उपयोगकर्त्ता पुस्तकालय से प्रश्न पूछ सकता है तथा पुस्तकालय भी अपने उपयोगकत्ताओं की संतुष्टि के लिए सदैव तत्पर रहता है।

5. विपणन और संवर्धन

सोशल मीडिया के द्वारा पुस्तकालय कम समय में अधिक लोगों तक अपनी सूचना सामग्री का विपणन कर सकते हैं। पुस्तकालय ओडियो, वीडियो और कंटेट के रूप में उपयोगकत्ताओं को अपनी सूचना सामग्री से अवगत करा सकते है। पुस्तकालय सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी एक अलग पहचान बना सकते हे जिससे उपयोगकर्त्ता अधिक से अधिक पुस्तकालय की सामग्री का उपयोग करें।

6. विश्लेषण

सोशल मीडिया उपयोगकत्ताओं को उपलब्ध सूचना सामग्री पर अपनी सकरात्मक व नकारात्मक प्रतिक्रिया देने की अनुमति देता है जैसे Facebook, You-tube, Whatsapp, Blog, Twitter आदि पर हम किसी भी फोटो, वीडियो और ओडियों को पसन्द कर सकते है व उन पर अपनी प्रतिक्रिया दे सकते है। इन प्रतिक्रिया के आधार पर पुस्तकालय अपना विश्लेषण करते है जो कमियाँ होती है उन को दूर करते है जिससे पुस्तकालयों की सेवाओं में सदैव सुधार की गुजाइंस बनी रहती है।

सोशल मीडिया का पुस्तकालय में कार्यान्वयन

Facebook

फेसबुक सबसे ज्यादा उपयोग होने वाली बेवसाइट है। इसके उपयोगकत्ताओं की संख्या 1.69 अरब है (https://www.statista.com) यह पुस्तकालयों के लिए अपने उपयोगकर्त्ता समुदाय से जुड़ने का प्रभावी तरीका है। फेसबुक पर अपडेट डालकर पुस्तकालय अपने कार्यक्रमों और सेवाओं के बारे में उपयोगकत्ताओं को सूचित कर सकते है। संसाधनों के लिंक साझा कर सकते है। उपयोगकर्त्ताओं को पुस्तकालय प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए आमंत्रित कर सकते हैं। पुस्तकालय में होने वाली प्रदर्शनी व नवीनतम पुस्तकों के आवरण पृष्ठ की

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 3, March - 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

फोटो व विडियो बनाकर इस मंच पर डाल सकते है। उपयोगकर्त्ता इन सभी सूचनाओं को अपने दोस्तों के साथ साझा कर सकते हैं तथा इन पर अपनी प्रतिक्रिया भी दे सकते हैं।

YouTube

इस मंच का सबसे अधिक उपयोग वीडियो देखने के लिए किया जाता है। पुस्तकालय द्वारा इसका उपयोग सामग्री की वीडियों बनाने उसको यूट्यूब पर अपलोड करने तथा अपने उपयोगकत्ताओं को सांझा करने के लिए किया जा सकता है। इसके द्वारा विभिन्न इवेंट जैसे सेमीनार, कान्फ्रेंस, वर्कशाप, व्याख्यान और पुस्तकालय सेवाएँ आदि को बढ़ावा दिया जा सकता है तथा यूट्यूब पर इनका प्रसारण भी किया जा सकता है।

Blog

यह एक ऐसी बेवसाइट है जिसे हम एक डिजिटल डायरी भी कह सकते हैं। इस मंच पर प्रतिदिन लगभग 5.8 मिलियन ब्लॉग पोस्ट किए जाते है। (https://teachjury.net) इस मंच पर ब्लाग बनाकर पुस्तकालय अपने अनुभव दूसरों के साथ साझा कर सकते है। इस मंच पर एक समय पर बहुत से लोगों तक सूचना का प्रसार व महत्त्वपूर्ण मुद्दों या विषय पर सूचना को साझा किया जा सकता है। इस मंच पर पुस्तकालय लेख भी प्रकाशित कर सकता है व यह मंच उन लेखों पर उपयोगकत्ताओं को अपनी प्रतिक्रिया देने और सूचना सामग्री में योगदान देने की अनुमति भी देता है।

Linkdin

यह एक पेशेवर नेटवार्किंग मंच है। जो लोगों को अपने पेशे या क्षेत्र से सम्बन्धित लोगों से जोड़े रखती है। पुस्तकालय उपयोगकर्त्ता इस मंच की सहायता से अपने क्षेत्र से सम्बन्धित लोगों से सम्पर्क स्थापित कर सकते है। उपयोगकर्त्ता अनुभवी लोगों से सुझाव ले सकते है। इस मंच पर उपयोगकर्त्ता नौकरी भी ढूंढ सकते है। पुस्तकालय स्टाफ के लिए भी यह एक महत्त्वपूर्ण मंच है। इसके द्वारा स्टाफ दूसरे पुस्तकालय पेशवरों से सम्बन्ध स्थापित कर सकते है तथा उनके संस्थान में होने वाली पुस्तकालय गतिविधियों से अवगत रह सकते है तथा उन में भाग भी ले सकते है। वे एक–दूसरे से अपने अनुभव साझा करके अपने ज्ञान में वृद्धि कर सकते है। पुस्तकालय इस मंच का उपयोग अपने उपयोगकत्ताओं को एस0 डी0 आई0 (सूचना का चयनात्मक प्रसार) सेवा देने के लिए भी कर सकते है।

Twitter

पुस्तकालय अपने उपयोगकत्ताओं को संक्षेप में सूचना देने के लिए इस मंच का उपयोग कर सकते हैं। यह मंच मैसज भेजने के लिए उपयोग किया जाता है। जिसे Tweets कहते हैं। इस के माध्यम से पुस्तकालय अपने उपयोगकर्त्ताओं को प्रतिदिन की गतिविधियों, वर्तमान मुद्दों तथा सामग्री सेवाओं के रूप में नए संग्रह ही जानकारी प्रेषित कर सकते है। साथ ही यह मंच उपयोगकर्त्ताओं को भी किसी विशेष मुद्दे पर प्रश्न पूछने तथा अपनी प्रतिक्रिया देने की अनुमति देता है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 3, March - 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

Pinterest

यह एक ऐसा मंच है जो उपयोगकर्त्ताओं को वर्चुअल बुलेटिन बोर्ड बनाने व और उसको साझा करने की अनुमति देता है। यहाँ पर लाइब्रेरियनस अपनी प्रोफाइल बनाकर पुस्तकालय की फोटो व सूचना स्त्रोतों की वीडियों सांझा कर सकते है। इस मंच के द्वारा पुस्तकालय के विचारों को बढ़ावा दिया जा सकता है।

Instagram

इंस्टांग्राम तेजी से आकर्षित करने वाला मंच बनता जा रहा है। इस मंच के द्वारा पुस्तकालय नवीनतम पुस्तकों की फोटो जो निर्गम के लिए उपलब्ध है, वर्कशाप में भाग लेते हुए आगुंतकों की फोटो, पुस्तक संग्रह की फोटो, पुस्तकालय के प्रतिदिन के समाचार और उनकी उपलब्धियों की फोटो व वीडियों बनाकर सांझा कर सकते है। यह पुस्तकालय को अपने उपयोगकत्ताओं से प्रभावशाली तरीके से संचार करने की अनुमति देता है।

Flickr

इस मंच पर पुस्तकालय अपनी गतिविधियों व संग्रह की फोटो साझा कर सकते है।

Wikipedia

यह एक मुक्त ज्ञानकोश है जो दुनियाभर के योगदानकर्त्ताओं द्वारा सम्पादित किया जा रहा है। इसे आनलाइन इनसाइक्लोपीडिया भी कहते है। पुस्तकालय स्टाफ व पुस्तकालय उपयोगकर्त्ता इनसाइक्लोपीडिया में कुछ संपादित करके अपने ज्ञान को दूसरों के साथ सांझा कर सकते है तथा पुस्तकालय, विकि सॉफ्टवेयर पर अपनी वेबसाइट भी होस्ट कर सकते हैं।

Whatsapp

यह फेसबुक की तरह बहुत अधिक उपयोग में लाया जाने वाला मंच है। इस समय कोरोना महामारी के कारण सभी स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय तथा अन्य सूचना संस्थान बन्द है। यह सभी संस्थान व्हाट्सएप के द्वारा अपने विद्यार्थियों से सम्पर्क स्थापित किए हुए है। पुस्तकालय इस मंच के द्वारा अपने उपयोगकत्ताओं को किसी भी पुस्तक के अध्याय की फोटो, प्रश्न–पत्रों की फोटो, किसी भी सूचना सामग्री का लिंक, कोई दस्तावेज तथा वीडियो आदि सांझा कर सकते है। पुस्तकालय अपने विभिन्न कार्यक्रम जैसे वेबीनार व प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आदि की सूचना इस के माध्यम से दे सकते है। उपयोगकर्त्ता भी इस सूचना को अपने दोस्तों के साथ सांझा कर सकते हैं।

Podcast

यह एक ऐसा मंच है जहाँ पर हम सिर्फ सुन सकते है। पुस्तकालय अपने बौद्धिक ज्ञान को Podcast (पॉडकास्ट) बनाकर डाल सकते है। इसका उपयोग बच्चों के लिए कहानी, पुस्तकालय संग्रह व सेवाओं के विपणन, ओडियो संग्रह व पुस्तकालय स्टाफ के कार्य की जानकारी आदि के लिए किया जा सकता है। अंधे उपयोगकर्त्ता भी इस से लाभान्वित होते हैं।

Mashups

यह विभिन्न सोशल मीडिया का मिलाजुला रूप है। यह उपयोगकर्त्ता को ओपेक और मेटाडेटा को संपादित करने की अनुमति देता है।

Library Thing

यह एक सोशल कैटालॉगिग वेब एप्लीकेशन है जो ओपेक को अधिक सूचनात्मक व प्रभावशाली बना देती है। इसका उपयोग विभिन्न प्रकार की पुस्तक मेटाडेटा को संग्रहीत करने और साझा करने के लिए किया जाता है। इसके द्वारा लाइब्रेरियन, लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस, अमेजन तथा दुनिया भर के अनेक पुस्तकालयों के साथ कैटलाग कर सकते है। पुस्तक की समीक्षा व रेटिंग देख सकते है तथा इसके द्वारा टैंगिग करना भी आसान है।

Really Simple syndication (RSS)

नवीनतम सूचनाओं से अधतन रखने के लिए इस मंच का उपयोग किया जाता है। पुस्तकालय इसके द्वारा अपने उपयोगकत्ताओं को पुस्तकालय की गतिविधियों से अद्यतन रख सकते है तथा इसके द्वारा उपयोगकत्ताओं को चयनात्मक प्रसार सेवा प्रदान की जा सकती है। इसका उपयोग दूरस्थ शिक्षा में पुस्तकालय सेवाओं के विपणन के लिए भी किया जा सकता है। इसके द्वारा उपयोगकत्ताओं को एक ही जगह पर सारी सूचना मिल जाती है।

Delicious

यह एक सोशल बुक मार्किग साइट है। इसके द्वारा पुस्कालय अपने उपयोगकत्ताओं के लिए कस्टम निर्देशिका बना सकते है। उनको टैग के द्वारा खोज करना सीखा सकते है। यह उपयोगकत्ताओं को महत्वपूर्ण रिसर्च लिंक ढूढ़ने में सहायता करती है।

Vodcasting

यह डिजिटल मीडिया फाइलों की एक श्रृंखला हे जो वेब उपयोगकत्ताओं की मांग पर उन्हें प्रदान की जाती है। इसके लिए तीव्र गति वाले इटंरनेट की जरूरत होती है। पुस्तकालय इसका उपयोग अपने परिसर में उपयोगकत्ताओं को पुस्तकालय कैटालाग को उपयोग करने के दिशानिर्देश देने के लिए व अपनी सूचना सामग्री के निर्गम–आगम का डेटाबेस अपलोड करने के लिए कर सकते हैं।

निष्कर्ष :

बदलते हुए परिदृश्य व अपने उपयोगकर्ताओं की बदलती जरूरतों के अनुसार पुस्तकालयों को बदलने की आवश्यकता है। पुस्तकालय को वेब पेज व सोशल मीडिया पेज को विकसित करना चाहिए। सोशल मीडिया के द्वारा पुस्तकालय अपने संसाधनों, सेवाओं, उपयोगकत्ताओं तथा संचार को बढ़ावा दे सकते है। सोशल मीडिया को वास्तविक रूप में लागू करने के लिए पुस्तकालयाध्यक्ष, पुस्तकालय कर्मचारियों व उपयोगकत्ताओं को सोशल मीडिया के उपयोग के लिए प्रेरित करना चाहिए तथा आवश्यकतानुसार प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जाने चाहिए।

सन्दर्भ सूची :

1. https://hindi.webduniya.com
2. केप्लान, म. और हैलीन, म0 (2010) संसार के उपयोगकर्त्ता, जुड़ना। सोशल मीडिया की चुनौतियाँ और अवसर, बिजनेस होराइजन, 53(1), 59–68.
3. गौटनर, व. (2014) शैक्षणिक पुस्तकालयों के फेसबुक पेजों पर सामग्री निर्माण व सामाजिक नेटवर्क का आदान–प्रदान। जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स रिसोर्सेज लाइब्रेरियनशिप, 26(2), 89–100.
4. चू. स. और दू. ह. (2012) शैक्षणिक पुस्तकालयों के लिए सामाजिक नेटवर्किंग उपकरण। जर्नल ऑफ लाइब्रेरियनशिप और इंफोरमेशन सांईस 45 (1), 64–75
5. चौहान, म. (2013) पुस्तकालयों में सोशल मीडिया का उपयोग। http://www. alibnet. org/public/book of paper ptts/85pdf
6. डिक्सन, ए. और होले, आर. पी (2010) शैक्षणिक पुस्तकालयों में सामाजिक नेटवर्किंग : संभावनाएँ और चिताएं। न्यू लाइब्रेरी वर्ल्ड 111, 468–479
7. निक कैंटी (2018) पुस्तकालयों में सोशल मीडिया। https://www. reseachgate.net/publication
8. पवार, स्नेहल. स. (2014) सोशल नेटवर्किंग साइट और लाइब्रेरीज, मानव संसाधन के विकास के लिए उच्च शिक्षा की प्रासंगिकता पर अंतः विषय अंर्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही 5 जलगाव, 410
9. भार्गव, य. (2015) ग्रामीण भारत में सोशल मीडिया का दोगुना उपयोग। http://www.thehi.ndu.com
10. मिश्रा, सी, स. (2006) डिजिटल वातावरण में सामाजिक नेटवर्किंग प्रौद्योगिकी : पुस्तकालयों पर इसके संभावित निहितार्थ https:/www.academia.edu.
11. http://www.goscl.com/survey-reveals-librarians-second-only-to- doctors - in publics-trust
12. https://www.statista.com
13. https://techjury.net